भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4736

28 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथी अनुसंधान केंद्र

4736. श्री सतपाल ब्रह्मचारी:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत पांच वर्षों के दौरान सरकार द्वारा हरियाणा में स्थापित आयुर्वेद एवं होम्योपैथिक अनुसंधान केन्द्रों की जिलावार संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या ऐसे केन्द्रों की स्थापना के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित की गई है, यदि हां, तो तत्संबंधी जिलावार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार को सोनीपत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए अतिरिक्त निधि के आवंटन के संबंध में कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है; और

(घ) हरियाणा में होम्योपैथी में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा अन्य क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ख): पिछले पांच वर्षों के दौरान सरकार द्वारा हरियाणा में कोई आयुर्वेद एवं होम्योपैथिक अनुसंधान केन्द्र स्थापित नहीं किया गया है।

(ग): आयुष मंत्रालय के तत्वावधान में आयुर्वेद और होम्योपैथी चिकित्सा पद्धतियों के लिए शीर्ष अनुसंधान संगठनों यथा केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) और केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) को सोनीपत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए अतिरिक्त धनराशि के आवंटन के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

(घ): हरियाणा में होम्योपैथी में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं: -

(1) केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) आयुष मंत्रालय के तहत होम्योपैथी में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एक शीर्ष निकाय है जो नैदानिक अनुसंधान, औषधि प्रमाणन, औषधि सत्यापन, औषधि वैधता, औषधि मानकीकरण, जन स्वास्थ्य अनुसंधान, मौलिक अनुसंधान और महामारी अनुसंधान जैसी अनुसंधान गतिविधियों को या तो इंट्रामुरल मोड से या विभिन्न विश्वविद्यालयों/प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से करता है, जैसे:

i. सार्स-कोविड-2 संक्रमण के विरुद्ध आर्सेनिकम एल्बम 30C के प्रतिरक्षात्मक प्रभावों के मूल्यांकन के लिए सीसीआरएच और ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई), फरीदाबाद, हरियाणा के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

ii. "कोविड-19 के मध्यम और गंभीर मामलों में मानक देखभाल के सहायक के रूप में होम्योपैथी: एक सिंगल-ब्लाइंड, रैंडोमाइज्ड, प्लेसेबो-नियंत्रित अध्ययन" नामक शीर्षक से एक अध्ययन अक्टूबर-दिसंबर, 2020 में एम्स, झज्जर में किया गया था।

iii. सीसीआरएच ने जुलाई, 2024 के दौरान एम्स, झज्जर के साथ मिलकर "फेफड़ों के कैंसर के रोगियों में कीमोथेरेपी/रेडियोथेरेपी और मोलिक्युलर मार्करों के साथ सहसंबंध के लिए सहायक उपचार के रूप में होम्योपैथिक औषधि की भूमिका का मूल्यांकन करने हेतु एक पायलट अध्ययन" किया।

सीसीआरएच अपने 27 शोध संस्थानों/इकाइयों और 07 होम्योपैथिक उपचार केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से होम्योपैथी में वैज्ञानिक अनुसंधान का समन्वय, विकास, प्रसार और संवर्धन करता है तथा उत्कृष्ट संस्थानों के साथ सहयोग, होम्योपैथी को बढ़ावा देने और अपने संस्थानों/इकाइयों और उपचार केंद्रों के ओपीडी/आईपीडी के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने सहित इंट्रामुरल अनुसंधान कर रहा है। सीसीआरएच आम जनता के मध्य होम्योपैथी को बढ़ावा देने और लोकप्रिय बनाने के लिए राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय आरोग्य मेलों/स्वास्थ्य शिविरों/प्रदर्शनी में भी भाग ले रहा है। आईईसी कार्यक्रम के भाग के रूप में, सीसीआरएच ने सूचना और शिक्षण सामग्री विकसित की है, जिसे प्रदर्शनियों/स्वास्थ्य मेलों/सेमिनारों/विश्व होम्योपैथी दिवस के समारोह/सोशल मीडिया जैसे फेसबुक पेज, ट्विटर अकाउंट आदि के माध्यम से आम जनता को नि:शुल्क वितरित किया जाता है। परिषद ने निम्नलिखित जन स्वास्थ्य पहल कार्यक्रम जैसे स्वस्थ दांत निकलना (हेल्दी टिथिंग) के लिए होम्योपैथी, स्वास्थ्य रक्षण कार्यक्रम, कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और आघात की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस); अनुसूचित जाति घटक योजना (एससी घटक योजना) स्वास्थ्य शिविर; अपने केंद्रों के माध्यम से पोषण माह अभियान में भाग लेना; आजादी का अमृत महोत्सव से संबंधित गतिविधियों में भाग लेना आदि किया है।

(2) आयुष मंत्रालय के तहत एक सांविधिक निकाय, राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (एनसीएच) ने होम्योपैथी में अनुसंधान करने और हरियाणा सहित पूरे देश में होम्योपैथी मेडिकल कॉलेजों में होम्योपैथिक चिकित्सा छात्रों और चिकित्सकों की शोध योग्यता को विकसित करने के लिए दिशानिर्देश निर्दिष्ट करते हुए राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (होम्योपैथी में चिकित्सा अनुसंधान) विनियम 2023 को अधिसूचित किया है। युवा शोधकर्ताओं को बढ़ावा देने के लिए स्नातक स्तर पर अनुसंधान पद्धति आरंभ की गई है। होम्योपैथी में आधुनिक उन्नति, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के पूरक के लिए अनुसंधान पद्धति की अवधारणाओं को (स्मार्ट-होम) राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (होम्योपैथी स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम- बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बी.एच.एम.एस.) विनियम, 2020 में उचित रूप से सम्मिलित किया गया है।

*****